

की सहायता से दाल, चावल, तरकारी आदी चीजें अलग-अलग रखकर एक ही समय में पकाई जाती हैं।

कुकरी स्त्री. (तत्.) 1. मुरगी, बनमुरगी 2. कच्चे सूत का लपेटा हुआ लच्छा, अंटी, कुकड़ी।

कुकर्म पुं. (तत्.) बुरा काम जैसे- उसे अपना कुकर्म ही ले डूबेगा।

कुकर्मी वि. (तत्.) बुरा काम करने वाला व्यक्ति।

कुकुद पुं. (तद्.) 1. चोटी, शिखर 2. सींगी 3. राज चिह्न 4. बैल का डिल्ला।

कुकुभ पुं. (तत्.) एक राग का नाम 2. एक मात्रिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में 16 और 14 के विराम से 30 मात्राएँ होती हैं, छंद के पदांत में दो गुरु का होना आवश्यक है।

कुकुरखाँसी स्त्री. (देश.) वह सूखी खाँसी जिसमें कफ न गिरे, जिसमें खाँसने पर कुत्ते के खाँसने की तरह आवाज होती है तथा साँस लेते समय पीड़ा अनुभव होती है जैसे- उसे कुकुरखाँसी हो गई है, इसलिए खाँसने पर उसके सीने में दर्द होने लगता है।

कुकुरमाछी स्त्री. (देश.) एक प्रकार की मक्खी जो घोड़े, बैल, कुत्ते आदि के शरीर पर लगती है, यह बहुत जोर से काटती है।

कुकुरमुत्ता पुं. (देश.) एक प्रकार का खुम्बी/खुम्भी/खुभी जिसमें बुरी गंध निकलती है वि. दे. खुमी।

कुक्कल पुं. (तत्.) 1. भूसी 2. भूसी का आग 3. वह गड्ढा जिसमें लकड़ियाँ भरी हों 4. कवच।

कुक्कुट पुं. (तत्.) 1. मुर्गा 2. चिनगारी 3. जटाधारी, मुर्गकेश।

कुक्कुटी स्त्री. (तत्.) मुर्गी।

कुक्कुटनाड़ी स्त्री. (तत्.) एक टेढ़ी नली या यंत्र जिससे भरे बरतन से खाली बरतन में पानी आदि पहुँचाया जाता है।

कुक्कुटयंत्र पुं. (तत्.) दे. कुक्कुटनाड़ी।

कुक्कुटव्रत पुं. (तत्.) एक व्रत जो भादों की शुक्ल सप्तमी को होता है, इसमें स्त्रियाँ संतान के लिए शिव और दुर्गा की पूजा करती हैं।

कुक्कुटि/कुक्कुटी स्त्री. (तत्.) 1. मुर्गी 2. पाखंड 3. सेमल का पेड़ 4. एक प्रकार का कीड़ा, छिपकली।

कुक्कुर पुं. (तत्.) 1. कुत्ता 2. आंध्र प्रदेश का एक यदुवंशी राजा 3. यदुवंशियों की एक शाखा, कुकुर 4. एक मुनि का नाम 5. एक वनस्पति, ग्रंथिपर्णी, गांडर।

कुक्ष पुं. (तत्.) पेट 1. पेट 2. स्वार्थी 2. कोख, गर्भाशय।

कुक्षिंभरि वि. (तत्.) 1. पेट 2. स्वार्थी।

कुक्षि पुं. (तत्.) 1. एक दानव 2. राजा बलि 3. एक प्राचीन देश 4. गुहा 5. पेट 6. गर्भाशय।

कुक्षिगत वि. (तत्.) गर्भ में आगत, गर्भस्थ 1. किसी चीज के बीच का भाग 2. गुहा 3. संतति 4. गर्त 5. खाड़ी 6. घाटी।

कुक्षिज वि. (तत्.) पुत्र।

कुक्षिरथ वि. (तत्.) दे. कुक्षिगत।

कुखड़ी स्त्री. (तद्.) कच्चे सूत का लपेटा हुआ लच्छा, अंटी, कुकड़ी।

कुखेत पुं. (तद्.) बुरा स्थान, कुंठाँव।

कुख्यात वि. (तत्.) निंदित, बदनाम।

कुख्याति स्त्री. (तत्.) निंदा, बदनामी।

कुगति स्त्री. (तत्.) दुर्गति, बुरी, हालत।

कुग्रह पुं. (तत्.) छोटे ग्रह, पाप ग्रह।

कुच पुं. (तत्.) स्तन, छाती, उरोज।

कुचकुंभ पुं. (तत्.) स्थूलाकार गोल स्तन।

कुचकुचाना क्रि.सं. (अनु.) 1. लगातार कोंचना, बार बार नुकीली चीज से बाँधना 2. थोड़ा कुचलना।

कुचक्र पुं. (तत्.) दूसरों को हानि पहुँचानेवाला गुप्त प्रयत्न, षड्यंत्र, साजिश जैसे- उसने मोहन के विरुद्ध ऐसा कुचक्र चलाया कि वह उसमें बुरी तरह फँस गया।